SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī

OCLC: 3195624
Volume 45, no. 12 (December 2005)

TOC supplied by: Yale University Library

Madhumati
X-13

मधुमती

दिसम्बर, 2005

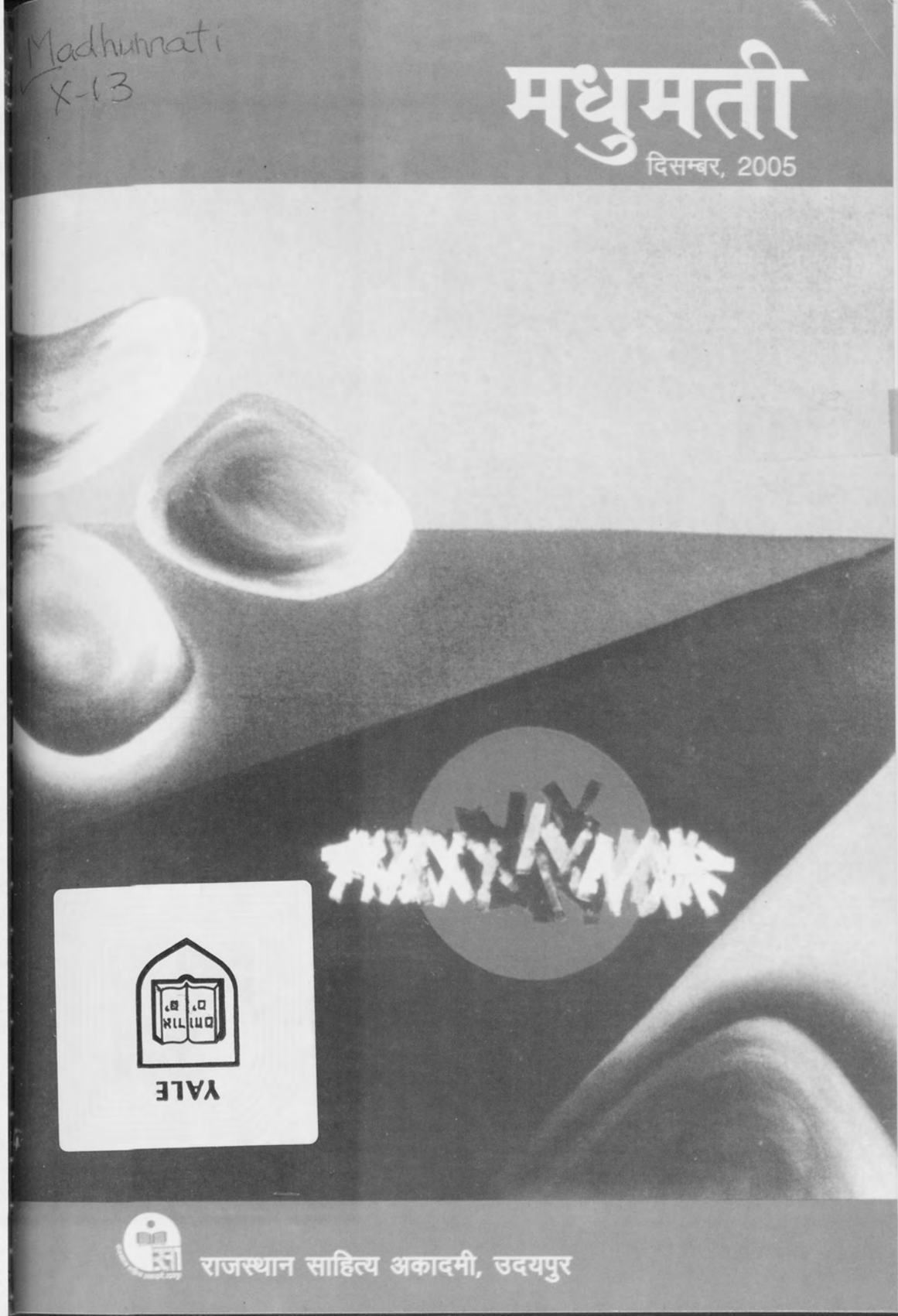

YALE

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

अमृता प्रीतम

जन्म : 31 अगस्त 1919 निधन : 31 अक्टूबर, 2005

मधुमती

प्रशासक - प्रधान सम्पादक

शिखर अग्रवाल

सम्पादक मण्डल

भोपालसिंह चौहान

डॉ. लक्ष्मीनारायण नन्दवाना

डॉ. प्रमोद भट्ट

राजस्थान साहित्य अकादमी की मासिक पत्रिका

वर्ष 45 : अंक 12 : दिसम्बर, 2005

मासिक
मधुमती

वर्ष 45 : अंक 12 : दिसबर, 2005

प्रकाशक :
सचिव
राजस्थान साहित्य अकादमी
सेक्टर–4, हिरण मगरी,
उदयपुर–313002 (राज.)
फोन : 0294–2461717

प्रबन्ध :
डॉ. प्रमोद भट्ट

सहयोग व विक्रय व्यवस्था :
दिनेश अरोड़ा

आवरण / रेखांकन
• डॉ. प्रेमचंद गोस्वामी, 3/117, मालवीय नगर, जयपुर (राज.)–302017

मूल्य : 10 रुपये
वार्षिक : 100 रुपये

(वार्षिक शुल्क केवल धनादेश, बैंक–ड्राफ्ट या नकद
सचिव, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर के नाम से ही भेजें)

मुद्रक :
स्वदेशी ऑफसेट, उदयपुर ✆ 2522393

मधुमती में प्रकाशित सामग्री की रीति–नीति या विचारों से राजस्थान साहित्य अकादमी की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

अनुक्रम

स्मरण
- अमृता प्रीतम की रचनाओं में व्यथित नारी की पीड़ा बोलती थी / महीप सिंह / 5
- रेगिस्तान से गुजरा फूलों का काफिला / अतुल कनक / 8
- शास्त्रीय परम्परा का अन्त / किशन दाधीच / 11

लेख
- साहित्यकार का दायित्व : मानवीय तत्त्व जागरण / प्रो. धर्मपाल मैनी / 13
- एक साहित्यकार पर विश्वकोश की रचना / डॉ. कमल किशोर गोयनका / 16
- उत्तर आधुनिक समय–संदर्भ : ज्ञानेन्द्रपति की कविता / डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा / 21
- राजस्थानी प्रेमाख्यान : शैणी बीजाणंद / डॉ. कृष्णबिहारी सहल / 33
- साँवरा म्यारी प्रीत निभाज्यो जी / डॉ. रवीन्द्रनाथ मिश्र / 37
- सामाजिक परिवर्तन का अनुशीलन एकांकी की राह से / डॉ. ममता पानेरी / 41
- लहूलुहान 'लोक' / डॉ. सत्येन्द्र शर्मा / 45
- भारतीय संस्कृति और सांस्कृतिक प्रदूषण / प्रो. महेन्द्र रायजादा / 49

स्मरण
- बाबू केदारनाथ अग्रवाल : एक संस्मरण श्रद्धांजलि / आचार्य बाबूलाल गर्ग / 52

कविताएँ
- निकले हुए दिनों के लिए, अपना अपना पतझड़ / डॉ. भगवतीलाल व्यास / 55
- रचनाकर्मी, किसी को क्या बताएँ ? / डॉ. त्रिभुवन चतुर्वेदी / 57
- मन, तटस्थ और तटवर्ती को सम्बोधित करते हुए, (जीवनबिन्दु) गर्वोक्ति / आत्मस्वीकृति / डॉ. श्रीनिवासन् अय्यर / 58
- शहर, कविता–1, शहर–2 / विजयसिंह नाहटा / 60
- मैं क्या जानूँ / सरोज गर्ग / 62
- जीवन राग, परछाई का गणित / राजेन्द्र निशेश / 63
- युग की गवेषणा, जीवन की गवेषणा / रमेश कुमार शर्मा / 64
- पथिक / महेन्द्र पारख / 65

कहानी
- माँ और ममता / डॉ. मीना अग्रवाल / 66
- समय से जूझते / डॉ. सावित्री डागा / 68
- क्यों / डॉ. सरला अग्रवाल / 71
- बन्धन के दायरे / डॉ. देवेन्द्र मिश्र / 75
- कंचन तू ! / डॉ. यश गोयल / 78

लघुकथा

- सोच, सबूत / डॉ. योगेन्द्रनाथ शुक्ल / 82

गीत-ग़ज़ल

- गीतों के भुजपाश में, जिन्दगी उसूल की, इतना मौन बहुत होता है / रघुराज सिंह हाड़ा / 83
- चलते चलते पाँव में छाले पड़े, पेड़ आँगन के, अंजुरी आचमन का जल / जितेन्द्र निर्मोही / 86
- तूफानों ने आ घेरा है, कुशलक्षेम बगिया की, कालचक्र गतिमान अनवरत / डॉ. दिवाकर वर्मा / 88
- मिट–मिट कर जीना सिखा दिया / श्रीमती तारा दीक्षित / 90
- तीन ग़ज़लें / राजेन्द्र / 91
- तीन ग़ज़लें / डॉ. दयाकृष्ण विजय / 92
- दो ग़ज़लें / खलील तनवीर / 93

व्यंग्य

- मेरा मोबाइल कुमार / पूरन सरमा / 94

यात्रा-वृत्तान्त

- चार नारियल और दो केले के पेड़ों में सिमटा जीवन / डॉ. (श्रीमती) अजित गुप्ता / 96

पुस्तक समीक्षा

- रघुवंश काव्यानुवाद / डॉ. हरिराम आचार्य / 101
- साम्प्रदायिक सौमनस्य का दस्तावेज / डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ / 103
- राष्ट्रकवि डॉ. 'दिनेश' की काव्य–साधना, ज्ञानपीठ पुरस्कार : भारतीय साहित्य में सेतु, आदि राजस्थानी / डॉ. लक्ष्मीनारायण नन्दवाना / 105
- जीने की कला, सच के ठाठ निराले होंगे, सरित्प्रवाह / डॉ. जीवन सिंह / 108

साहित्यिक परिदृश्य / 112

संवाद / 119